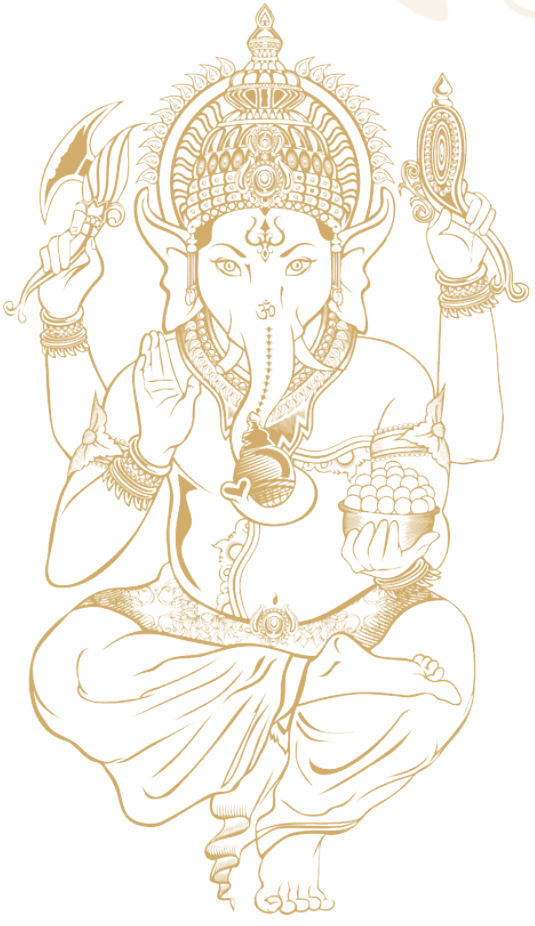

Rajni Kumari

17 Aug 1998

06:08 AM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121045102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/08/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:08:00 घंटे**
इष्ट	01:49:33 घटी
स्थान	**Ramgarh**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:37:00 उत्तर
रेखांश	85:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:20:08 घंटे
वेलान्तर	-00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	04:00:56 घंटे
सूर्योदय	05:24:10 घंटे
सूर्यास्त	18:19:21 घंटे
दिनमान	12:55:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:05:33 सिंह
लग्न के अंश	09:03:55 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:03:55	324:42:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	00:05:33	00:57:41	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	28:37:02	13:41:34	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	03:43:27	00:38:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	24:49:43	00:42:14	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:47:53	00:05:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	10:36:34	01:13:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:47:28	00:00:08	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:39:27	00:00:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:39:27	00:00:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:23:22	00:02:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:18:16	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:27:38	00:00:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	08:28:26	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:09

लग्न-चलित

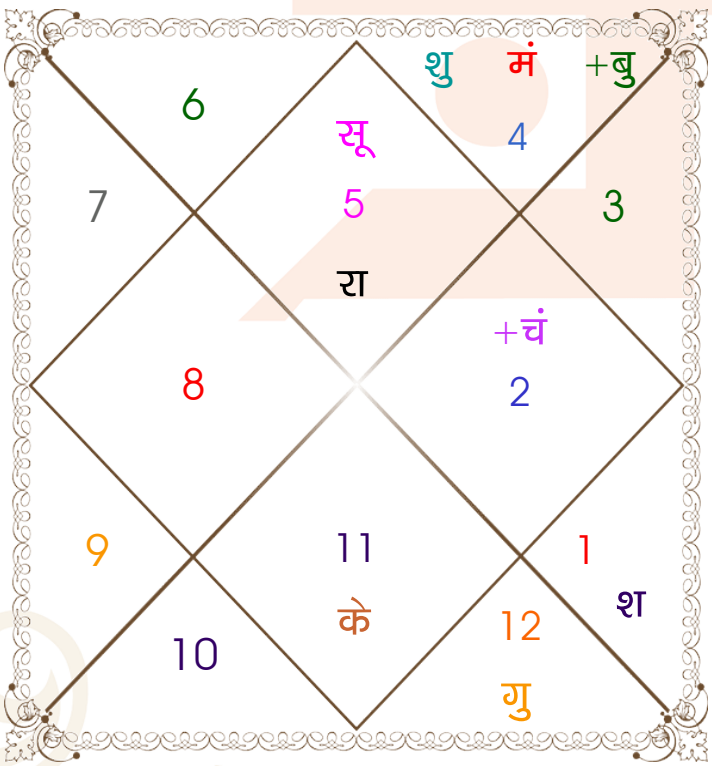

चन्द्र कुंडली

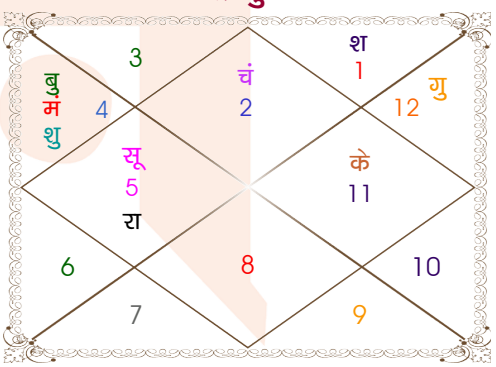

नवमांश कुंडली

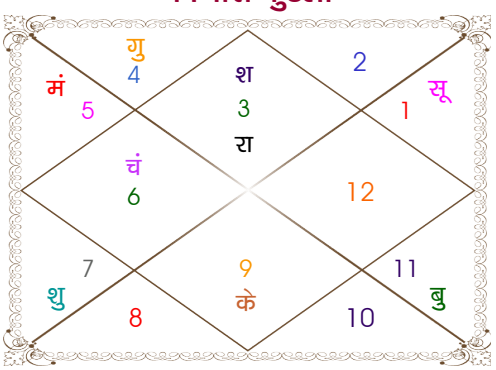

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 2 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/08/1998		07/11/2002		07/11/2020		07/11/2036		08/11/2055	
07/11/2002		07/11/2020		07/11/2036		08/11/2055		07/11/2072	
	00/00/0000	राहु	20/07/2005	गुरु	26/12/2022	शनि	11/11/2039	बुध	05/04/2058
	00/00/0000	गुरु	14/12/2007	शनि	08/07/2025	बुध	21/07/2042	केतु	02/04/2059
	17/08/1998	शनि	20/10/2010	बुध	14/10/2027	केतु	30/08/2043	शुक्र	31/01/2062
शनि	09/05/1999	बुध	08/05/2013	केतु	19/09/2028	शुक्र	29/10/2046	सूर्य	08/12/2062
बुध	05/05/2000	केतु	27/05/2014	शुक्र	21/05/2031	सूर्य	11/10/2047	चंद्र	08/05/2064
केतु	01/10/2000	शुक्र	27/05/2017	सूर्य	08/03/2032	चंद्र	11/05/2049	मंगल	05/05/2065
शुक्र	01/12/2001	सूर्य	20/04/2018	चंद्र	08/07/2033	मंगल	20/06/2050	राहु	23/11/2067
सूर्य	08/04/2002	चंद्र	20/10/2019	मंगल	14/06/2034	राहु	26/04/2053	गुरु	28/02/2070
चंद्र	07/11/2002	मंगल	07/11/2020	राहु	07/11/2036	गुरु	08/11/2055	शनि	07/11/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/11/2072		08/11/2079		08/11/2099		08/11/2105		09/11/2115	
08/11/2079		08/11/2099		08/11/2105		09/11/2115		00/00/0000	
केतु	05/04/2073	शुक्र	09/03/2083	सूर्य	25/02/2100	चंद्र	08/09/2106	मंगल	06/04/2116
शुक्र	05/06/2074	सूर्य	08/03/2084	चंद्र	27/08/2100	मंगल	09/04/2107	राहु	24/04/2117
सूर्य	11/10/2074	चंद्र	07/11/2085	मंगल	02/01/2101	राहु	08/10/2108	गुरु	31/03/2118
चंद्र	12/05/2075	मंगल	07/01/2087	राहु	26/11/2101	गुरु	07/02/2110	शनि	18/08/2118
मंगल	08/10/2075	राहु	07/01/2090	गुरु	14/09/2102	शनि	09/09/2111		00/00/0000
राहु	26/10/2076	गुरु	07/09/2092	शनि	27/08/2103	बुध	07/02/2113		00/00/0000
गुरु	01/10/2077	शनि	08/11/2095	बुध	03/07/2104	केतु	08/09/2113		00/00/0000
शनि	10/11/2078	बुध	07/09/2098	केतु	08/11/2104	शुक्र	10/05/2115		00/00/0000
बुध	08/11/2079	केतु	08/11/2099	शुक्र	08/11/2105	सूर्य	09/11/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।